NBT PAGE 6

# 'सभी संबद्ध कॉलेज जल्द करवाएं अकैडमिक ऑडिट'

■ एनबीटी,लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय अकैडमिक ऑडिट के तहत मांगी गई जानकारियां नहीं दे रहे हैं। महाविद्यालयों के प्रबन्धक/प्राचार्य/प्राचार्या के साथ ऑनलाइन वैठक में कुलपति ने शनिवार को इसे लेकर नाराजगी जताई है।

**कुलपति ने संबद्ध महाविद्यालयों के प्रबन्धक/प्राचार्य/ प्राचार्या के साथ की ऑनलाइन बैठक**

कुलपति ने कहा कि कई महाविद्यालयों ने अकादमिक ऑडिट में अधूरी जानकारी उपलब्ध करवाई है। उन्होंने इसे तत्काल पूरा करने के स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। वता दें कि अकैडमिक ऑडिट में लखनऊ विश्वविद्यालय ने महाविद्यालयों से पूछा है कि कॉलेजों में कैसे पढ़ाई होती है ? शिक्षकों का शोध में कितना योगदान है? शैक्षिक उत्थान के लिए उनके स्तर पर क्या किया जा रहा है? आदि जानकारी मांगी थी। महाविद्यालय शिक्षकों को निर्धारित प्रारूप पर ई-कन्टेंट तैयार करके ई-मेल आईडी econtentcollege@gmail.com पर भेज देना है। कुलपति ने महाविद्यालयों में ऑनलाइन कक्षाओं का रिकार्ड रखने के निर्देश भी दिए हैं।

i-NEXT PAGE 5

इस कोरोना काल में स्टूडेंट्स को

# ऑनलाइन कंटेंट देने में एलयू नंबर-1

**i SPECIAL**

**LUCKNOW (10 Oct, inext):**
लखनऊ यूनिवर्सिटी ने राज्य सरकार के ई-कंटेंट पोर्टल पर लगभग 2600 ई-कंटेंट अपलोड कर स्टेट की सभी यूनिवर्सिटी में पहला स्थान हासिल किया है. वहीं दूसरे नंबर पर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी आगरा ने ई-कंटेंट उपलब्ध कराए हैं. गौरतलब है कि शासन ने सभी स्टेट यूनिवर्सिटी को विभिन्न विषयों के ई-कंटेंट तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी थी ताकि स्टूडेंट्स के लिए ऑनलाइन क्लासेस का एक पोर्टल शुरू हो सके.

## 78 विषयों के 11000 से अधिक ई-कंटेंट

कोरोना काल में ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा तैयार किये गए उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा लाइब्रेरी नाम से ऑनलाइन डिजिटल लाइब्रेरी पोर्टल विद्यादान पर सितंबर-अक्टूबर में 11000 से अधिक कंटेंट अपलोड किए जा चुके हैं. 1500 शिक्षकों की तरफ से 78 विषयों के कंटेंट अपलोड किये गये, जिसमें सर्वाधिक 1010 फिजिक्स के हैं.

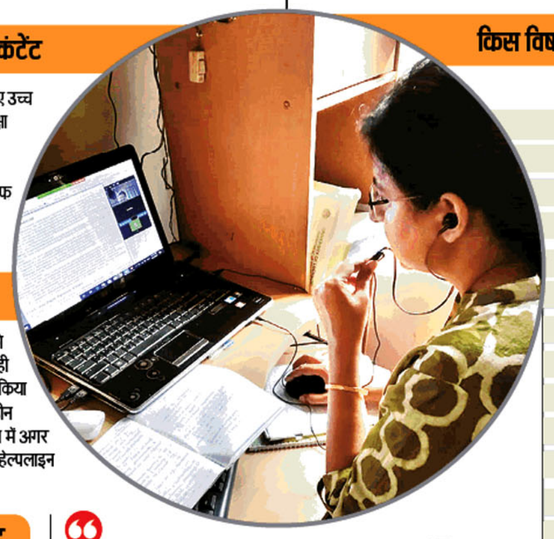

## डीन और एचओडी की जिम्मेदारी

ई-कंटेंट अपलोड करने के लिए एक-एक यूनिवर्सिटी को नोडल यूनिवर्सिटी बनाया गया है. यह नोडल यूनिवर्सिटी ही सुनिश्चित करेगी कि कौन सा कंटेंट पोर्टल पर अपलोड किया जाए. इस ई-कंटेंट की गुणवत्ता संबंधित यूनिवर्सिटी के डीन और एचओडी चेक करते हैं. स्टूडेंट्स को कंटेंट के संबंध में अगर कोई दिक्कत होती है तो वह शासन द्वारा जारी किए गए हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं.

## शिक्षण संस्थाओं को देना है ई-कंटेंट

इस पोर्टल पर प्रदेश की सभी सरकारी और प्राइवेट यूनिवर्सिटी के साथ-साथ राजकीय, सहायता प्राप्त अशासकीय एवं निजी डिग्री कॉलेजों के शिक्षकों को ई-कंटेंट अपलोड करने है.

## अभी ऑनलाइन ही पढ़ाई!

प्रदेश की सभी यूनिवर्सिटीज में इन दिनों ऑनलाइन क्लास ही चलाई जा रही है. हालांकि अब यूनिवर्सिटी में क्लास शुरू करने की भी तैयारियां चल रही है, फिर भी स्टूडेंट्स के लिए ऑनलाइन क्लास चलती रहेंगी. ऐसे संकेत हैं.

**“ शासन की ओर से शुरू किए गए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर इस बार सबसे ज्यादा 2600 ई-कंटेंट हमारी यूनिवर्सिटी की ओर से दिए गए हैं. जो प्रदेश में सबसे ज्यादा हैं.**

**प्रो. आलोक कुमार राय,** वीसी, एलयू

- सभी स्टेट यूनिवर्सिटी में 2600 ई-कंटेंट लखनऊ यूनिवर्सिटी ने शासन को भेजे
- ई-कंटेंट शासन को भेजने के मामले में आगरा यूनिवर्सिटी दूसरी पोजीशन पर

## किस विषय के कितने कंटेंट अपलोड

| विषय | संख्या |
|---|---|
| तकनीकी | 871 |
| सामाजिक | 788 |
| लॉ | 786 |
| रसायन विज्ञान | 615 |
| कंप्यूटर साइंस | 553 |
| मैनेजमेंट | 552 |
| कॉमर्स | 473 |
| लाइब्रेरी साइंस | 467 |
| गणित | 410 |
| वनस्पति विज्ञान | 410 |
| बीफार्मा | 310 |
| जंतु विज्ञान | 278 |
| मनोविज्ञान | 256 |
| एग्रीकल्चर | 207 |

अन्य विषयों में 100 से भी अधिक कंटेंट अपलोड किए जा चुके हैं. जिसका करीब 25 हजार स्टूडेंट्स ले रहे हैं फायदा. हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में है ई-कंटेंट.

THE PIONEER PAGE 3

# LU VC asks associated colleges to submit academic audit reports

PNS ■ LUCKNOW

Vice-Chancellor of Lucknow University AK Rai on Saturday directed associated colleges to submit their academic audit reports. A meeting of associated colleges and officials of LU was convened under the chairmanship of Rai.

The discussion regarding the academic audit was done in the previous meeting and format of academic audit report has been sent by Dean CDC to each college. The VC noted that some colleges had not submitted the required information in the prescribed format while others have not submitted the report.

Rai emphasised that colleges must submit the academic audit reports immediately with complete information to the official mail or send a hard copy to the office of the CDC.

The meeting was called to review the preparation of e-content by teachers of the colleges, progress of academic audit report of the colleges for the previous academic session 2019-20, conduct of online teaching by the colleges, payment of salary to approved teachers working in the colleges, admission of students to the new academic session 2020-21, conduct of the forthcoming semester examinations and the lax response to official letters issued by the university.

The VC informed the colleges about the centralised facility offered by LU for uploading their e-content on the Uttar Pradesh Higher Education Digital Library for the benefit of student community at large, especially those in remote areas.

Regarding online teaching, he stressed on the regular monitoring of classes by the authorities. He asked the managers and principals to keep a record of the classes and should be furnished to the university, when required. Regarding the payment of salary to the approved teachers working in the colleges, the LU VC issued clear instructions to follow the GO in letter and spirit and pay salary in time.

The VC said that the direction given by the university from time to time regarding admission to the new academic session should be adhered to. “The decision regarding the forthcoming semester examination will be conveyed to the colleges and teaching and classes should continue smoothly till then,” he said.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

# प्रमोट हुए छात्र दोबारा नहीं देंगे परीक्षा

माई सिटी रिपोर्टर

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय के अंतिम वर्ष को छोड़कर अन्य वर्ष के एलएलबी के विद्यार्थियों को प्रमोशन पाने के बाद दोबारा परीक्षा नहीं देनी होगी। लविवि के अनुसार, आठ जून को बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने गाइडलाइन जारी करके अंतिम वर्ष को छोड़कर अन्य विद्यार्थियों को प्रमोट करने और स्थिति सामान्य होने पर दोबारा परीक्षा कराने को कहा था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट का अंतिम वर्ष की परीक्षा कराने संबंधी निर्देश आया है। लविवि ने साफ किया है कि जिन विद्यार्थियों को प्रमोट किया जा चुका है, उन्हें दोबारा परीक्षा नहीं होगी।

कोरोना की वजह से इस साल केवल अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की ही परीक्षा हुई है। यूजीसी ने कोरोना के चलते गाइडलाइन में पहले बिना परीक्षा के ही प्रमोशन की बात कही थी। बाद में अंतिम वर्ष की परीक्षा को अनिवार्य बताते हुए गाइडलाइन में संशोधन किया था। इसके बाद कई राज्य सरकारों ने परीक्षा कराने से मना किया था। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। कोर्ट ने यूजीसी के पक्ष में निर्णय देते हुए कहा था कि राज्य परीक्षा कराने से मना नहीं कर सकते। इससे पहले बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने एलएलबी को लेकर अपनी गाइडलाइन जारी की थी। इसके अनुसार एलएलबी के विद्यार्थियों की अगले सेमेस्टर की पढ़ाई के लिए उन्हें फिलहाल प्रमोट कर दिया जाए और स्थिति सामान्य होने पर उनकी परीक्षा भी कराई जाए। राजधानी के लोहिया विधि विवि ने इसके आधार पर विद्यार्थियों को प्रोविजनली प्रमोट किया है। विवि की एकेडमिक काउंसिल में पास प्रस्ताव के अनुसार, बाद में विद्यार्थियों को परीक्षा भी देनी होगी।

## लविवि ने एलएलबी छात्रों को लेकर साफ की स्थिति

“ बार काउंसिल की गाइडलाइन सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से पहले की है। एलएलबी अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की परीक्षा हो चुकी है। बाकी को आधार अंक देकर प्रमोट किया जा रहा है। प्रमोशन के बाद उन्हें दोबारा परीक्षा नहीं देनी होगी। **-प्रो आनंद मुरारी सक्सेना,** परीक्षा नियंत्रक, लविवि